

# डॉ. क्रेग कीनर, अधिनियम, व्याख्यान 6, इंजीलवाद और अधिनियमों का परिचय

© 2024 क्रेग कीनर और टेड हिल्डेब्रांट

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 6 है, इंजीलवाद और अधिनियमों का परिचय।

पिछले सत्र के अंत में, हमने इंजीलवाद, इंजीलवाद और अधिनियमों के विषय के बारे में बात करना शुरू किया, और यह हमें कैसे अलग-अलग तरीकों से दिखाता है कि यह किया जाता है।

अलग-अलग लोगों के पास अलग-अलग उपहार थे। परमेश्वर ने विभिन्न तरीकों से लोगों के माध्यम से कार्य किया। अधिनियमों की पूरी पुस्तक में एक सुसंगत सुसमाचार था, लेकिन इसे लोगों के विभिन्न समूहों के लिए प्रासंगिक बनाया गया था और उन्हें उन तरीकों से समझाया गया था जो उनकी अपनी सेटिंग्स के लिए प्रासंगिक थे।

और हम इस बारे में बात करने लगे कि लोगों का ध्यान सुसमाचार की ओर कैसे गया। कुछ विशेष प्रकार के नेटवर्क थे जो उनकी संस्कृति, आराधनालयों, सार्वजनिक बहस मंचों इत्यादि में उपलब्ध थे। और हमें अपनी संस्कृतियों में भी उन्हें तलाशने के लिए तैयार रहना होगा।

खैर, उनके पास रिलेशनल नेटवर्क भी थे। विश्वासियों ने यात्रा करते समय संदेश साझा किया। प्रेरितों के काम की पुस्तक जीवनी संबंधी तरीके से अधिक आगे बढ़ती है।

यह पॉल पर केंद्रित है, पीटर पर केंद्रित है, और प्रमुख हस्तियों पर केंद्रित है। फिर भी, विश्वासी यात्रा करते समय संदेश साझा कर रहे थे। हम एक तरह से संयोगवश सीखते हैं, अधिनियम अध्याय 8 और पद 4, अधिनियम अध्याय 11 और पद 20, कि सभी विश्वासी अपने साथ संदेश ले जा रहे थे।

और आदर्श रूप से हम यही चाहते हैं। आप इसे इफिसियों 4 में भी देखते हैं, जहां यह बाकी संतों को सेवा के काम के लिए तैयार करने वाले शब्द के मंत्रियों की बात करता है ताकि हम सभी को मंत्रालय के लिए बुलाया जा सके। यदि हमारे पास पूरी तरह से पादरी-उन्मुख चर्च हैं जहां मंत्री, जिन्हें हम मंत्री कहते हैं, मंत्रालय का सारा काम कर रहे हैं और अन्य लोग मदद नहीं कर रहे हैं, अन्य लोग शामिल नहीं हैं, तो 95% काम पूरा नहीं हो सकता क्योंकि हम काम कर सकते हैं जितना हम कर सकते हैं उतना कठिन है, लेकिन अंततः हमें मसीह के पूरे शरीर को काम में हिस्सा लेने के लिए तैयार करने की आवश्यकता है।

लेकिन सभास्थलों के अलावा, यह बहुत जैविक था। वे व्यक्तियों का अनुसरण कर रहे थे। यह बहुत अधिक संबंधपरक है।

अधिनियम 20.20 पॉल को न केवल सार्वजनिक रूप से बल्कि घर-घर जाकर बोलने की बात करता है। परिवारों में रिश्तेदार और ग्राहक शामिल थे। उदाहरण के लिए, लिडिया के परिवार में नौकर और कर्मचारी शामिल हो सकते हैं।

वे सभी चीजें किसी के घर के हिस्से के रूप में शामिल थीं। कहा जाता है कि प्रेरितों के काम अध्याय 10 में कुरनेलियुस के रिश्तेदार इकट्ठे हुए थे। इसके अलावा, परिवारों के संदर्भ में, संरक्षक और ग्राहक नाम की कोई चीज़ थी।

यह रोमन संस्कृति में विशेष रूप से सच है, लेकिन यह कोरिंथ और फिलिप्पी जैसी जगहों पर प्रासंगिक है। आपके पास कुछ हद तक उच्च सामाजिक स्थिति वाला कोई व्यक्ति होगा जो साथियों को आमंत्रित करेगा, लेकिन कुछ हद तक निम्न सामाजिक स्थिति वाले लोगों को भी आमंत्रित करेगा जो सहकर्मी प्रकार के मित्र होंगे, लेकिन ऐसे ग्राहक भी होंगे जो सामाजिक रूप से इस व्यक्ति पर निर्भर होंगे। बदले में यह व्यक्ति इन सामाजिक आश्रितों से सम्मान प्राप्त करेगा।

वे अन्य प्रकार के संबंधपरक नेटवर्क थे। इसे सामने लाने का मेरा उद्देश्य यह कहना नहीं है कि हमें उन्हीं नेटवर्कों का उपयोग करने की आवश्यकता है जो उनके पास थे क्योंकि हमारी घरेलू संरचनाएँ उससे भिन्न हो सकती हैं। हमारे पास विभिन्न प्रकार के रिलेशनल नेटवर्क हो सकते हैं।

लेकिन यह देखने के लिए कि आज हमारे पास किस प्रकार के संबंधपरक नेटवर्क हैं, कभी-कभी आपके पास छोटे समूह हो सकते हैं जो समान हितों के आधार पर एक साथ आते हैं। इसे कभी-कभी लक्ष्य समूह कहा जाता है, जहां शायद जिन लोगों ने अपना बच्चा खो दिया है, उनके लिए आपके पास आरामदायक सहायता समूह हो सकते हैं। जरूरी नहीं कि जो लोग आएंगे वे सभी ईसाई होंगे।

लेकिन दोस्तों के रूप में, आप यह साझा कर सकते हैं कि प्रभु ने आपके लिए क्या किया है और प्रभु इससे उबरने में आपकी कैसे मदद करते हैं। आप भी उनसे सीख सकते हैं। हम सभी इंसान हैं।

हम सभी टूटे हुए इंसान हैं जिन्हें भगवान की कृपा की आवश्यकता है। लेकिन उस तरह के संदर्भ में, साझा करना स्वाभाविक है क्योंकि आप केवल अन्य मनुष्यों के साथ साझा कर रहे हैं। लक्ष्य समूहों के अलावा, आपके पास केवल मित्रों और परिवार से संपर्क करना भी हो सकता है।

यह संदेश को आगे बढ़ाने का एक तरीका है। अब, मैं वहां रुकना नहीं चाहूंगा, लेकिन निश्चित रूप से, मैं उन कनेक्शनों को नजरअंदाज नहीं करना चाहूंगा जो हमारे पास पहले से हैं क्योंकि हम उस अद्भुत खोज को साझा कर रहे हैं जो हमने ईसा मसीह में पाई थी। जैसे-जैसे अन्य लोग मसीह के पास आते हैं, वे भी उनके नेटवर्क में हिस्सा ले सकते हैं।

हम इसे आरंभिक चर्च में घटित होते हुए देखते हैं। हम प्रेरितों के काम अध्याय 18 और पद 3 में भी पॉल के चमड़े को काम करते हुए देखते हैं। अब, यह एक प्रकार का पेशा था जहां आप काम

करते समय वास्तव में लोगों से बात कर सकते थे। लेकिन यह हमें यह भी दिखाता है कि पॉल संस्कृति का हिस्सा बन गया।

समर्थन उपलब्ध होने पर उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। उसी परिच्छेद में बाद में भी, पॉल ने समर्थन स्वीकार किया जब सीलास और तीमुथियुस मैसेडोनिया के चर्च, विशेषकर फिलिप्पी से कुछ उपहार लाए। लेकिन पॉल भी संस्कृति के भीतर काम कर रहा था।

वह इसके लिए कोई बाहरी व्यक्ति नहीं था, बस इस पर उपदेश दे रहा था। वह इसका हिस्सा बन गये. वास्तव में, वह पहले से ही ग्रीको-रोमन दुनिया का नागरिक था और समय बीतने के साथ-साथ वह व्यापक ग्रीको-रोमन दुनिया का नागरिक बनने में और भी बेहतर हो गया।

हम विविधता भी देखते हैं। वह एकेश्वरवाद में उनकी पारस्परिक रुचि के माध्यम से फिलिप्पी की महिलाओं तक पहुँचते हैं। फिलिप्पी में जेलर, भूकंप और उपदेश के माध्यम से पहुंचता है।

एक अन्य क्षेत्र उपचार के माध्यम से है, जिसे कुछ लोगों ने शक्ति प्रचार कहा है। अब, मैंने पहले संकेतों और चमत्कारों के बारे में बात की थी और मैं यहां उनके बारे में विस्तार से बात नहीं करने जा रहा हूं, सिवाय इसके कि वे अधिनियमों की पुस्तक और कुछ व्यावहारिक विचारों से संबंधित हैं। लेकिन मुद्दा यह नहीं है कि ईश्वर हमेशा वह सब कुछ करता है जो हम उससे पूछते हैं।

मेरा मतलब है, हम सभी जानते हैं कि पहली शताब्दी के मूल प्रेरित, चाहे उनमें कितना भी विश्वास रहा हो, आत्मा द्वारा उन्हें जितना भी सशक्त किया गया हो, वे लंबे समय से मर चुके हैं। मैं 19वीं सदी के किसी भी वास्तव में उत्साहित सम्मानित ईसाई को नहीं जानता। हडसन टेलर चला गया।

पिछली शताब्दी का एडोनीराम जुडसन चला गया है। मेरा मतलब है, कोई यह नहीं कहता कि हर कोई हमेशा ठीक हो जाता है और फिर हम इन शरीरों में हमेशा के लिए जीवित रहते हैं। हम अभी भी इंतज़ार कर रहे हैं कि यीशु पुनर्जीवित शरीर पाने के लिए कब वापस आएंगे।

लेकिन मुद्दा यह है कि भगवान हमें उस भविष्य के वादे के नमूने देते हैं। सुसमाचारों में, हम राज्य के शुभ समाचार के बारे में पढ़ते हैं, कि किसी दिन परमेश्वर सब कुछ ठीक कर देगा। वह सब कुछ बहाल करने जा रहा है।

वह हमारी आंखों से हर आंसू पोंछ देगा। वर्तमान में वह हमें जो देता है, वह उसी का नमूना है। उपचार अस्थायी हैं।

यदि हम मर जाते हैं और मृतकों में से जीवित हो जाते हैं, तो प्रभु के देर तक आने पर हम फिर से मरेंगे। यदि हम किसी चीज़ से ठीक हो गए हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि हम बाद में किसी चीज़ से बीमार नहीं होंगे या किसी चीज़ से मर नहीं जाएंगे। इस दुनिया में लोग मरते हैं।

यह इस दुनिया की प्रकृति का हिस्सा है और अंततः हर कोई इसे पहचानता है। लेकिन ऐसा कहने के बाद, भगवान हमें उस भविष्य के गौरव के नमूने अवश्य देते हैं। यह सिर्फ उन लोगों के

लिए नहीं है जो इसका अनुभव करते हैं, बल्कि यह हम सभी के लिए है जो इसके बारे में सीखते हैं, हमें पता चलता है कि भगवान हमें अपने वादे के बारे में आश्चस्त कर रहे हैं।

वह हमें इस दुनिया में नहीं भूला है. उसकी शक्ति हमारे साथ है और किसी दिन वह इस दुनिया को नया बनाने जा रहा है। ये उसी का एक पूर्वानुभव है.

खैर, जब मैं एक काफी युवा ईसाई के रूप में एक्ट्स की किताब पढ़ रहा था, तो वास्तव में मुझे लगता है कि कॉलेज के अपने नए साल के दौरान, मैंने देखा कि एक्ट्स की किताब में सुसमाचार की ओर ध्यान आकर्षित करने का मुख्य तरीका संकेत और चमत्कार थे। अब उन पर ध्यान गया. कई बार ध्यान हमेशा सकारात्मक नहीं रहता.

कभी-कभी उन पर अत्याचार होता था, परन्तु जब चिन्ह और चमत्कार होते थे तो लोगों को ध्यान देना पड़ता था। ध्यान आकर्षित करने के अन्य तरीके भी थे, सार्वजनिक बहस मंच। हममें से जो लोग अभी अकादमिक रूप से प्रशिक्षित हैं, आप अभी अकादमिक रूप से प्रशिक्षित हो रहे हैं, या हो सकता है कि पहले ही अकादमिक रूप से प्रशिक्षित हो चुके हों, लेकिन जितना अधिक हम सीखते हैं, उतना ही अधिक हम अन्य लोगों के साथ चर्चाओं और मंचों में प्रवेश करने और अपना विश्वास साझा करने में सक्षम होते हैं। और लोगों के साथ संवाद.

लेकिन लोगों का ध्यान आकर्षित करने के अन्य तरीकों के संदर्भ में, फिर से, अधिनियमों में सबसे आम तरीका, पेंटेकोस्ट के दिन, जिस चीज़ ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया वह जीभ थी। अधिनियम अध्याय 3 और 4, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और भीड़ को आकर्षित किया, उस व्यक्ति का उपचार जो लकवाग्रस्त था या चलने में असमर्थ था। प्रेरितों के काम अध्याय 4 पद 29 और 30, वे वास्तव में प्रार्थना करते हैं कि भगवान उन्हें चंगा करने के लिए अपना हाथ बढ़ाकर साहस प्रदान करें और उनके पवित्र सेवक यीशु के नाम से संकेत और चमत्कार किए जाएं।

प्रेरितों के काम अध्याय 14 और पद 3 में, परमेश्वर संकेतों और चमत्कारों के माध्यम से अपने संदेश की पुष्टि कर रहा था। तो, यह आश्चर्य की बात नहीं है. जब मैं एक युवा ईसाई था, मैंने इस पर ध्यान दिया।

और मैंने यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित एक पुस्तक भी पढ़ी, जो आपके विश्वास को साझा करने, अपने विश्वास को कैसे त्यागें, के बारे में एक अच्छी इंजील पुस्तक है। और इस किताब में कहा गया है, आप लोगों के लिए प्रार्थना कर सकते हैं। लोग आमतौर पर इसकी सराहना करते हैं.

यदि उनके साथ कुछ गड़बड़ है तो यदि आप उनके लिए प्रार्थना करते हैं तो उन्हें अच्छा लगता है। तो, आप बस पेशकश कर सकते हैं. अगर कुछ नहीं होता है तो वे आमतौर पर नाराज नहीं होते हैं।

मेरा मतलब है, आप ऐसा नहीं कर सकते, लेकिन अगर ऐसा होता है, तो आमतौर पर इस पर उनका ध्यान जाता है। इसलिए, मैं महामारी के दौरान कुछ अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, अपार्टमेंट

कॉम्प्लेक्स में काम कर रहा था। और गर्मियों में घास-फूस निकालना और दीवारों पर रेत लगाना और पेंटिंग करना और वहाँ बहुत ही प्राथमिक कार्य करना, झाड़ू लगाना।

जब कोई व्यक्ति आता था, तो मैं कहता था कि वे बुजुर्ग थे, लेकिन जैसे-जैसे मैं खुद उस उम्र के करीब पहुंच रहा हूँ, मुझे उस अभिव्यक्ति का उपयोग करना पसंद नहीं है। लेकिन जैसे भी, वे मुझसे उम्र में बहुत बड़े थे, मुख्यतः सेवानिवृत्त व्यक्ति थे। वहाँ एक महिला आई थी और वह किसी चीज़ के बारे में शिकायत कर रही थी।

मैंने पूछा कि क्या मैं उसके लिए प्रार्थना कर सकता हूँ। उसने कहा, ज़रूर. मैंने उसके लिए प्रार्थना की, लेकिन कुछ नहीं हुआ।

लेकिन एक और व्यक्ति आया, माबेल कूपर। और उसने कहा, ओह, मेरे घुटने में कुछ गड़बड़ है। यह सचमुच बहुत बुरा हो गया है और डॉक्टर मेरे घुटने के लिए कुछ नहीं कर सकते।

इसलिए, मैंने वहीं मौके पर उसके घुटने के लिए प्रार्थना की। और वह कुछ दिनों बाद वापस आई और उसने कहा, क्रेग, तुम महान हो। जब से आपने इसके लिए प्रार्थना की है तब से मेरा घुटना बेहतर हो गया है।

अब मुझे आपके फेफड़ों पर काम करने की ज़रूरत है क्योंकि मुझे खांसी के साथ खून आ रहा है और डॉक्टर को लगता है कि मुझे फेफड़ों का कैंसर है। मैंने कहा, ठीक है, मैं लंच ब्रेक पर आऊंगा और आपके लिए प्रार्थना करूंगा। लेकिन इस बीच, मैं उसके अगले दरवाजे वाले पड़ोसी की दीवारों को धो रहा था, जो हाल ही में फेफड़ों के कैंसर से मर गया था, जो एक चैन धूम्रपान करता था।

मैंने उसे कुल्ला करने वाली बाल्टी दिखाई, वह शंख जैसी लग रही थी। मैंने कहा, तुम्हें पता है, अब तक तुम्हारे फेफड़े शायद ऐसे ही दिखते होंगे। आपको वास्तव में धूम्रपान छोड़ने की ज़रूरत है।

उसने कहा, आप जानते हैं, मेरा डॉक्टर भी यही कहता है। किसी भी स्थिति में, मैं उसके लंच ब्रेक पर गया और मैंने कहा, मैं आपके लिए प्रार्थना करने जा रहा हूँ। लेकिन चाहे भगवान आपको ठीक करे या नहीं, एक दिन आपकी मृत्यु निश्चित है और आपको उससे मिलने के लिए तैयार रहना होगा।

इसलिए, उसने मेरे साथ यीशु को अपने भगवान और उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के लिए प्रार्थना की। और फिर मैंने उसके ठीक होने के लिए प्रार्थना की। मेरे लिए उसकी रिपोर्ट यह थी कि उसके बाद उसे कभी भी खांसी के साथ खून नहीं आया और डॉक्टर ने फैसला किया कि उसे फेफड़ों का कैंसर नहीं है।

वह कई, कई वर्षों तक जीवित रही। वह बिलकुल एक युवा ईसाई के समान था। मैं आधिकारिक तौर पर मंत्री या कुछ भी नहीं था।

तो, हम सभी प्रार्थना कर सकते हैं। कुछ लोग इसमें दूसरों की तुलना में अधिक प्रतिभाशाली होंगे, लेकिन यह कुछ ऐसा है जो हम कर सकते हैं जिससे लोगों की मदद हो सकती है और यह उनका ध्यान सुसमाचार की ओर भी आकर्षित कर सकता है। खैर, आने वाली स्लाइडों में, हम अधिनियम 1:8 को देखने जा रहे हैं, जहां यह शक्ति के बारे में बात करता है और हम इतिहास में रूपांतरण की ओर ले जाने वाले संकेतों के बारे में बात कर सकते हैं।

और आज शायद मैं ऐसा नहीं करूंगा क्योंकि मैं पहले ही ऐसा कर चुका हूँ। लेकिन सिर्फ अधिनियमों में कुछ उदाहरण देख रहे हैं। अधिनियम 1.8, आत्मा आने पर आपको शक्ति प्राप्त होगी।

ल्यूक का शक्ति से क्या तात्पर्य है? ल्यूक के सुसमाचार में, विशेष रूप से नहीं, बल्कि अक्सर शक्ति राक्षसों को बाहर निकालने या उपचार से जुड़ी होती है। 436, 517, 619, 846, और 9-1। फिर से, अधिनियमों की पुस्तक में, अधिनियम 3.12। यह केवल शक्ति या पवित्रता नहीं है कि यह व्यक्ति ठीक हो गया।

यह यीशु के नाम से, उसकी शक्ति से था। अध्याय 6 और पद 8 में, स्तिफनुस अनुग्रह और शक्ति से भरपूर था और इसलिए चमत्कार और संकेत कर रहा था। अध्याय 10 और श्लोक 38 में, आत्मा और शक्ति से अभिषिक्त यीशु उन सभी को ठीक कर रहा था जो शैतान द्वारा उत्पीड़ित थे।

इसलिए, जब हम अधिनियम 1:8 में शक्ति के बारे में बात करते हैं, तो मुझे लगता है कि हमें न केवल सामान्य रूप से गवाही के लिए शक्ति के बारे में सोचना चाहिए, बल्कि यह भी कि भगवान अक्सर प्रार्थनाओं का उत्तर देकर और ऐसे काम करके हमारी गवाही की पुष्टि करेंगे जो वास्तव में लोगों का ध्यान आकर्षित करेंगे। यह आत्मा से प्राप्त शक्ति है और आत्मा को यहूदी हलकों में भविष्यवाणी सशक्तिकरण के साथ व्यापक रूप से जोड़ा गया था। हम इसके बारे में बाद में और बात करेंगे।

यहां माबेल कूपर के अपार्टमेंट के सामने मेरी पत्नी और मेरी एक तस्वीर है जहां मैंने उसके लिए प्रार्थना की थी। मुझे लगता है कि इस बिंदु पर मैं आगे नहीं बढ़ूंगा क्योंकि मैं पहले ही संकेतों के बारे में बात कर चुका हूँ। वास्तव में मेरे पास यहां कुछ अलग-अलग चीजें हैं, लेकिन मुझे उन सभी को करने की जरूरत नहीं है।

इसलिए संकेतों के माध्यम से ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। पॉल संभवतः अपने मंत्रालय के माध्यम से इसमें विकसित हुआ। हम अधिनियम 13 में पढ़ते हैं जहां सर्जियस पॉलस एलेमास का गवाह है बर्गेसिस ने अंधा कर दिया।

उसी पर उसका ध्यान जाता है. और प्रेरितों के काम 14 कहता है कि संकेत और चमत्कार प्रेरितों, बरनबास और पॉल के हाथों से किए जा रहे थे। लेकिन जब आप अधिनियम 19 पर पहुंचते हैं, तो यह उस पैमाने पर होता है जो आपके पास यरूशलेम चर्च में था।

मेरा मतलब है, वह इसी में बड़ा हुआ। और मैं ऐसे मामलों को जानता हूँ जहाँ आज भी ऐसा हुआ है, जहाँ इसकी शुरुआत छोटे पैमाने पर हुई या कभी-कभी एक व्यक्ति एक या दो साल तक लोगों के लिए प्रार्थना करता रहा और कुछ नहीं हो रहा था, लेकिन उन्हें यकीन था कि उन्हें ऐसा करना चाहिए था। और यह बहुत हतोत्साहित करने वाला हो सकता है।

आम तौर पर, भले ही आप लोगों के लिए प्रार्थना न करें, कभी-कभी वे बेहतर हो जाते हैं, है ना? इसलिए, क्योंकि भगवान ने हमारे शरीर को अक्सर बेहतर बनने के लिए ही बनाया है। वह भी भगवान का उपहार है। लेकिन किसी भी स्थिति में, एक या दो साल के बाद, अचानक एक सप्ताह में, बहुत सारे लोग ठीक होने लगे और यह वहीं से फैलना शुरू हो गया।

मुझे लगता है कि यह हमें यह बताने का एक तरीका है कि यह हम नहीं, भगवान हैं। और जब भगवान ने इसे चालू करने का निर्णय लिया, तो यह तैयार हो गया। इसलिए, हम श्रेय नहीं लेते।

श्रेय यीशु के नाम का है। वह ही हमारे माध्यम से कार्य करता है। लेकिन पॉल शायद अपने मंत्रालय के दौरान इसमें विकसित हुआ और पॉल ने पहचाना कि ध्यान सुसमाचार के लिए था, अपने लिए नहीं।

सुसमाचार में सुसमाचार प्रचार की एक और विशेषता, कभी-कभी ईश्वर बस चीजों की व्यवस्था करता है। वह बस चीजें सेट करता है। हम इसकी उम्मीद नहीं कर रहे हैं।

आपके पास एक समानांतर दृष्टि है। कुरनेलियुस और पतरस दोनों के पास ये दर्शन हैं। पतरस इससे पहले कुरनेलियुस के पास जाने के लिए उपलब्ध नहीं होता, लेकिन परमेश्वर ने स्पष्ट रूप से उसे भेज दिया।

तो, वह जाता है और भगवान आत्मा को उण्डेलने के लिए बहुत उत्सुक है। परमेश्वर ने पतरस के उपदेश खत्म करने की भी प्रतीक्षा नहीं की, बल्कि उसके उपदेश को बीच में ही रोक दिया, और इकट्ठे हुए इन अन्यजातियों पर आत्मा उँडेल दी। एक और स्पष्ट मामला यह है कि फिलिप को बहुत ही असामान्य परिस्थितियों में कहीं भेजा जाता है, लेकिन वह वहाँ पहुंचता है और उसे एक अफ्रीकी अधिकारी बाइबिल पढ़ते हुए मिलता है।

और अफ्रीकी अधिकारी यशायाह अध्याय 53 को पीड़ित नौकर के बारे में पढ़ते हुए उससे पूछता है, यह किसके बारे में बात कर रहा है? खैर, सेटअप के बारे में बात करें। मेरा मतलब है, फिलिप को उसे उपदेश देना है और भगवान ने स्थिति ठीक कर दी। मुझे एक बार याद है जब मैं एक युवा पादरी था और हम चर्च पिकनिक मनाने जा रहे थे।

हम बस एक साथ इकट्ठा हो रहे थे और मुझे सुसमाचार साझा करने में हमेशा खुशी होती है, लेकिन उस समय मेरे मन में यह बात नहीं थी। हम तो बस तैयार हो रहे थे। अब तक वहाँ हम दोनों ही थे और हम बस कुछ चीजें साथ ला रहे थे।

और एक युवा महिला मेरे पास आई और बोली, क्या यह चर्च पिकनिक है? मैंने कहा, हाँ। उसने कहा, क्या आप मुझे बता सकते हैं कि कैसे बचा जाए? मैंने कहा, हाँ। उसने कहा, वहीं रुको।

मेरा भाई भी सुनना चाहता है कि कैसे बचाया जाए। वह एक सेटअप था। मेरा मतलब है, प्रभु ने इसे स्थापित किया।

उस स्थिति में हमें वास्तव में कोई काम नहीं करना था। अन्य मामले अधिक कठिन हैं, लेकिन हम हर स्थिति में आज्ञाकारी रहना चाहते हैं। हम कैसे रहते हैं यह भी सुसमाचार प्रचार का विषय है।

आप जानते हैं, पतरस के उपदेश के अंत में, 3000 लोगों ने अधिनियम 2.41 में मसीह को प्राप्त किया। लेकिन यदि आप अधिनियम अध्याय दो के उस अंतिम पैराग्राफ की साहित्यिक संरचना को देखें, तो यह दूसरे तरीके से प्रभावी प्रचार के साथ भी समाप्त होता है। यह इन 3000 लोगों के परिवर्तित होने के बाद चर्च के बारे में बात करता है, वे पूजा साझा कर रहे हैं, वे भोजन साझा कर रहे हैं, वे एक दूसरे के साथ प्रार्थना कर रहे हैं। वे इतने कट्टरपंथी भी हैं कि वे संपत्ति साझा कर रहे हैं।

और श्लोक 47 में, प्रभु उन पर अनुग्रह कर रहे थे और प्रतिदिन उनकी संख्या में वृद्धि कर रहे थे, जिन्हें बचाया जा रहा था। दूसरे शब्दों में, सुसमाचार प्रचार का एक तरीका वह था जो पतरस के साथ हुआ। भगवान ने एक चिन्ह स्थापित किया, एक नाटकीय संकेत, और बहुत से लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

पीटर को उपदेश देने का अवसर मिला। लेकिन श्लोक 47 में, लोगों ने देखा कि ईसाई कैसे रह रहे थे और यही बात उन्हें विश्वास की ओर आकर्षित करती है। और उन्हें लगातार चर्च में जोड़ा जा रहा था।

आप न्यू टेस्टामेंट में अन्यत्र भी ऐसा ही कुछ देखते हैं। मेरा मतलब है, उदाहरण के लिए, जॉन 13:34 और 35 में यीशु जो कहते हैं, कहते हैं, एक दूसरे से प्यार करो जैसे मैंने तुमसे प्यार किया है। वह इसे एक नई आज्ञा कहते हैं।

यह नया नहीं था क्योंकि यह प्यार था। लैव्यव्यवस्था 19 पद 18 में एक दूसरे को अपने समान प्यार करने की बात कही गई है, लेकिन यह नया था क्योंकि यह एक नया मानक था। जैसा मैंने तुमसे प्रेम रखा, वैसा ही एक दूसरे से प्रेम रखो।

इस प्रकार सब लोग जान लेंगे कि तुम मेरे शिष्य हो। यदि तुम एक दूसरे से प्रेम करते हो जैसा कि मैंने तुमसे प्रेम किया है, यदि हम इस तरह से रहते हैं कि लोग यीशु के हृदय को देख सकें, तो इसके माध्यम से वे यीशु के सामने आ रहे हैं। और यही उनका ध्यान खींचेगा।

वह भी एक संकेत है। यूहन्ना 17:23 में, वह अपने अनुयायियों की एकता के लिए प्रार्थना करता है ताकि दुनिया जान सके, यीशु कहते हैं, कि हे पिता, तूने भी उन से वैसा ही प्रेम रखा है, जैसा तूने मुझ से प्रेम रखा है। अब, एकता की बात करते हुए, लोग चर्चों की एकता के बारे में बहस करते हैं।



हम सभी को एक ही चर्च से संबंधित होना जरूरी नहीं है। हमें यह भी जरूरी नहीं है कि सभी लोग बिल्कुल एक ही चीज़ पर विश्वास करें। यदि हम यीशु को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता मानते हैं और उसका अनुसरण करते हैं तो हम भाई-बहन हैं।

लेकिन एकता के मामले में, एकता तब है जब हम एक दूसरे से प्यार करते हैं। एकता तब होती है जब हम एक साथ काम करते हैं, हम सुसमाचार के लिए एक साथ सेवा करते हैं। खैर, ये सुसमाचार की ओर ध्यान आकर्षित करने के कुछ विभिन्न तरीके हैं।

अब कहां जाएं? खैर, इस पर हमें विभिन्न कारकों को संतुलित करना होगा। लेकिन निःसंदेह, सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि ईश्वर कहाँ ले जाता है। मेरा मतलब है, यदि ईश्वर आपका नेतृत्व कर रहा है, तो बेहतर होगा कि आप वहां जाएं।

और यह कठिन हो सकता है। फल दिखने में वर्षों लग सकते हैं, या हो सकता है कि आप इसे तुरंत देख लें। दरअसल, आमतौर पर, भगवान हमें बहुत अधिक फल देने से पहले हमारी परीक्षा लेते हैं ताकि हम अपना सिर फूला न लें।

लेकिन ईश्वर हमें कहाँ ले जाता है, यह कभी-कभी एक क्षण में ही हो सकता है। हमें एक पल के नोटिस पर जाना पड़ सकता है। आप प्रेरितों के काम अध्याय 8 और पद 29 में देखते हैं, जहां आत्मा फिलिप्पुस से कहती है, जाओ, इस रथ में शामिल हो जाओ।

और वह मसीह को अफ्रीकी अदालत के अधिकारी के साथ साझा करता है। या अध्याय 10 और पद 19 में, जहाँ आत्मा पतरस से कहता है, कुछ मनुष्य हैं जो तुझ से मिलने आए हैं। आपको उनके साथ जाने की जरूरत है।

कुरनेलियुस को जो दर्शन मिला था, उसके कारण मैं ने उन्हें भेजा है। खैर, कभी-कभी आत्मा का मार्गदर्शन नकारात्मक होता है। उदाहरण के लिए, प्रेरितों के काम अध्याय 16 और पद 7 में, यह इतना कठिन नहीं था जब पॉल उन चरणों का पता लगा रहा था जहाँ उसने बरनबास के साथ सुसमाचार प्रचार किया था, लेकिन वह वास्तव में पहले मिशन का नेतृत्व नहीं कर रहा था।

और अब वह इन चर्चों से आगे निकल जाता है जिनकी स्थापना वे पहले ही कर चुके हैं। और ऐसा लग रहा है जैसे चीजें ठीक हो रही हैं। जब वह बिथिनिया जाना चाहता है तो आत्मा 'नहीं' कहती है।

जब वह एशिया में जाना चाहता है तो आत्मा 'नहीं' कहता है, एशिया का अर्थ है एशिया का रोमन प्रांत और पश्चिमी एशिया माइनर। अब वह नंबर अधिनियम 16.6 में एक अस्थायी नंबर था। बाद में, वह समाप्त हो गया, एशिया माइनर में एक शक्तिशाली पुनरुत्थान हुआ, लेकिन वह अभी तक तैयार नहीं था। हो सकता है उसने चीजें गड़बड़ कर दी हों।

तो आत्मा ने कहा, नहीं, वह वहाँ नहीं गया। फिर वे त्रोआस पहुँचते हैं, जो जाने के लिए एक प्राकृतिक स्थान है। यह लगभग एक लाख लोग हैं।

यह एक बहुत ही रणनीतिक शहर है, लेकिन वह त्रोआस पहुँचता है और उसे एक रात्रि दर्शन मिलता है। और दर्शन में मकिदुनिया से कोई कह रहा है, मकिदुनिया आओ और हमारी सहायता करो। वह और ल्यूक सहित अन्य लोग एक साथ मिलते हैं और वे इसकी व्याख्या करते हैं।

वे कहते हैं, इसका क्या मतलब है? इसका मतलब यह होना चाहिए कि हमें मैसेडोनिया जाना चाहिए। और यह यीशु के प्रकट होने का दर्शन नहीं था। यह उससे अधिक स्पष्ट कुछ भी नहीं था।

और वे मैसेडोनिया पहुँचते हैं और मैसेडोनिया के रास्ते उन्हें पीटा जाता है और कष्ट सहना पड़ता है। फ़िलिपी कठिन है। थिस्सलुनीके कठिन है।

यहां तक कि उन्हें बेरिया से भी खदेड़ दिया जाता है। उन्हें जो मार्गदर्शन मिला है, उसके आधार पर उन्हें दृढ़ रहना होगा। लेकिन यह कुछ मार्गदर्शन था और कुछ मार्गदर्शन न होने से बेहतर है।

इसलिए, उनके पास जो कुछ था, वे उसी के साथ चले गए। कभी-कभी हम सोच सकते हैं कि ईश्वर हमें एक कारण से एक निश्चित स्थान पर ले जा रहा है। भगवान के मन में एक अलग कारण हो सकता है, लेकिन अगर हम उनके मार्गदर्शन का पालन करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं, तो भगवान हमारे कदमों को व्यवस्थित करने में सक्षम हैं।

हमारा काम सिर्फ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। कभी-कभी यह खुले दरवाज़ों का मामला होता था। वे मैसेडोनिया से अखाया के लिए रवाना हुए।

दरअसल, पॉल को मैसेडोनिया से निकाल दिया गया और उसे अखाया जाना पड़ा। लेकिन अखाया में दरवाजे खुले थे और वह वहां मंत्री बन गया। इसमें किसी रहस्योद्घाटन का जिक्र नहीं है।

हो सकता है कि पॉल के पास एक हो, लेकिन मूल रूप से हम जो जानते हैं वह यह है कि पॉल को अखाया जाना था। उसे सुरक्षित रखने के स्थान के रूप में वहां भेजा गया था। वहां लोग कुछ अधिक खुले विचारों वाले थे।

और कभी-कभी ईश्वर की इच्छा, ईश्वर की अगुवाई, हमें कष्ट की ओर ले जाती है। प्रेरितों के काम अध्याय 21 में भविष्यसूचक चेतावनियाँ हैं। यदि आप यरूशलेम जाएंगे तो आपको इसी चीज़ का सामना करना पड़ेगा।

और पौलुस के मित्र कह रहे थे, मत जाओ क्योंकि हम जानते हैं कि आत्मा क्या कहता है। और पॉल ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो मैं मरने के लिए तैयार हूँ। पॉल उसके लिए परमेश्वर की इच्छा जानता था।

और इसलिए, आप जानते हैं, यह बहुत बड़ी बात थी कि उसके भाई-बहन उससे प्यार करते थे और वे परमेश्वर जो कह रहे थे उसका एक हिस्सा सुन रहे थे, पॉल के लिए पहले से चेतावनी दिया जाना बहुत अच्छी बात थी, लेकिन पॉल जानता था कि उसे जाना होगा। और अन्त में वे रुके और

बोले, प्रभु की इच्छा पूरी हो। सिर्फ इसलिए कि ईश्वर आपको किसी चीज़ की ओर ले जा रहा है इसका मतलब यह नहीं है कि आपको इसमें कोई कठिनाई नहीं होगी।

इसका मतलब यह नहीं है कि आपको कष्ट नहीं होगा। वास्तव में, आमतौर पर, जब हम कुछ नया करने की दिशा में आगे बढ़ते हैं, तो कठिनाई तो होती ही है। आपको इसे भड़काने की ज़रूरत नहीं है।

आपको यह कहने की ज़रूरत नहीं है, कृपया मुझे कुछ दें या हमें परीक्षण में न डालें। लेकिन अगर ऐसा आता है, और यह आमतौर पर होता है, तो ईश्वर इसका उपयोग हमें उस पर गहरी निर्भरता सिखाने के लिए करता है और वह हमें मजबूत बनाता है। और उन स्थानों में जहां पौलुस ने सेवा की, जैसे थिस्सलुनीके और फिलिप्पी में, उन्होंने देखा कि उस पर क्या गुज़री।

और वह उस पर अपील करने और कहने में सक्षम था, आप जानते हैं कि यीशु का अनुसरण करने की कीमत क्या है। और इसके कारण वे अधिक मजबूती से टिके रहने में सक्षम हुए। यरूशलेम जाने के कारण, वह मंदिर में सुसमाचार का प्रचार करने में सक्षम था।

जब वह एक कैदी के रूप में गया तो वह रोम में सुसमाचार का प्रचार करने में सक्षम था। उसने वैसे भी रोम जाने की योजना बनाई थी, लेकिन एक कैदी के रूप में, उसे वास्तव में उन लोगों को उपदेश देने का मौका मिला, जिन्हें वह अन्यथा उपदेश नहीं दे पाता, प्रेटरियन गार्ड के सदस्यों को, यहाँ तक कि नीरो के दरबार के सामने सुसमाचार प्रस्तुत करने का भी मौका मिला। संभवतः नीरो पहली बार वहाँ नहीं था, लेकिन शाही दरबार के सामने सुसमाचार प्रस्तुत करने के लिए था।

हालाँकि, जब हमारे पास कोई विशेष दिशा नहीं होती है, तो आयोग बना रहता है। अधिनियम अध्याय एक और श्लोक आठ। प्रेरितों के काम अध्याय 13 और पद दो में, वे पहले से ही जानते थे कि उन्हें भेजा गया था, लेकिन वे अभी तक नहीं गए थे क्योंकि अभी समय नहीं हुआ था।

लेकिन अब उन्हें बाहर भेज दिया गया। इसलिए, इसका हमेशा यह मतलब नहीं होता कि हम कहीं स्थानांतरित होने जा रहे हैं। आरंभिक ईसाइयों में से कुछ को स्थानांतरित होना पड़ा क्योंकि उन्हें सताया गया था और भगवान इसका उपयोग सुसमाचार फैलाने के लिए कर रहे थे।

लेकिन कभी-कभी यह वहीं होता है जहां आप होते हैं। आप इसे बस अपने आस-पास के लोगों के साथ साझा कर रहे हैं और आप इसे स्वाभाविक रूप से साझा कर रहे हैं क्योंकि यही आपके लिए मायने रखता है। यह वही चीज़ है जिसके प्रति आप भावुक हैं।

लेकिन जब हमारे पास कोई विशेष दिशा या कोई विशेष आयोग नहीं होता, तब भी हमारे पास सामान्य आयोग, महान आयोग होता है। हम उस कनेक्शन से शुरुआत कर सकते हैं जो ईश्वर प्रदान करता है। खैर, 12 कहाँ से शुरू हुए? उन्होंने यरूशलेम से शुरुआत की जहां वे उस समय थे।

यह वह जगह नहीं है जहां से वे थे, बल्कि यह वह जगह है जहां वे थे। अब वे वास्तव में शायद कुछ अधिक समय तक वहां रुके रहे, लेकिन प्रभु के पास यह सुनिश्चित करने का अपना तरीका

था कि सुसमाचार यरूशलेम से परे पहुंचे। वहाँ प्रवासी यहूदी ईसाई थे, यानी यरूशलेम के बाहर, यहूदिया के बाहर से यहूदी विश्वासी जो यरूशलेम में बस गए थे।

प्रेरितों के काम 11:20 कहता है कि वे फीनीके, साइप्रस और अन्ताकिया के विश्वासी थे। उन्होंने अन्ताकिया में अपने ही लोगों के समूह के लोगों के साथ सुसमाचार साझा करना शुरू किया। यह वही हो सकता है जिसे कुछ लोग मित्रता का सुसमाचार प्रचार कहते हैं।

वे उन लोगों के साथ संबंधपरक प्रचार करने में सक्षम थे जिनके साथ उनके कुछ सामान्य हित और कुछ सामान्य कारक थे। अंततः हम इसे यूनानियों के साथ भी साझा करने में सक्षम हैं। उन्होंने उस रास्ते पर बदलाव करना शुरू कर दिया, जो पीटर जैसे व्यक्ति के लिए कहीं अधिक कठिन था।

ये लोग पहले से ही द्विसांस्कृतिक थे। उनके बीच पहले से ही कुछ सांस्कृतिक संबंध थे जो पीटर और 12 के बीच मौजूद सांस्कृतिक संबंधों से कहीं आगे थे। अधिनियम 13 में बरनबास और शाऊल साइप्रस के लिए प्रस्थान करते हैं।

अच्छा, साइप्रस ही क्यों? एक बात यह थी कि यह संभवतः नौकायन के लिए सबसे निकटतम स्थान था, लेकिन दूसरी बात यह थी कि अनुमान लगाएं कि बरनबास कहाँ से था? मेरा मतलब है, बरनबास के साइप्रस में संबंध थे, इसलिए यह समझ में आता है। किलिकिया में पॉल मंत्री। एक्ट्स इसका विस्तार से पता नहीं लगाता है, लेकिन एक्ट्स 9.30 कहता है कि वह सिलिसिया के साथ-साथ सीरिया भी गया था और वह पहले से ही सीरिया में था।

और गलातियों 1.21 में कहा गया है कि उसने सीरिया और किलिकिया में सेवा की। इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उसके वहां संबंध होंगे। हो सकता है कि उनमें से कुछ ने बहुत अच्छा काम न किया हो क्योंकि बाद में उसे स्पष्ट रूप से सावधान रहना होगा।

लेकिन किसी भी मामले में, अधिनियम 13 में, वे पिसिडियन अन्ताकिया क्यों गए? तट पर अधिक आबादी वाले स्थान थे। पिसिडियन अन्ताकिया में शायद 5,000 रोमन नागरिक और अन्य निवासी थे। और तट पर स्थित कुछ शहरों में लगभग 100,000 लोग थे।

पिसिडियन अन्ताकिया क्यों जाएं? खैर, इस मामले में, एक्ट्स हमें यह नहीं बताता है, लेकिन पुरातत्व द्वारा सुझाया गया एक कारण हो सकता है। बेशक, यदि आप पाफोस से उत्तर की ओर जाते हैं, तो आप तटीय क्षेत्र में आते हैं, जबकि यदि आप अंतर्देशीय जाते हैं, तो आप पिसिडियन एंटीओक जाते हैं। लेकिन लिसिया के तट पर अन्य चीजें भी हैं जो अधिक आबादी वाली थीं।

पिसिडियन अन्ताकिया में क्यों जाएँ? हम पुरातत्व से जानते हैं कि सर्गी पोलिया, जिस परिवार का हिस्सा साइप्रस के गवर्नर सर्जियस पॉलस थे, सर्गी पोलिया के पास उस क्षेत्र में, पिसिडियन एंटीओक के उत्तर-पूर्व और एकेनियम के उत्तर में विशाल संपत्ति थी। और संभवतः वे वहां इसलिए जा रहे थे क्योंकि उनके संबंध थे। उनके पास सर्जियस पॉलस का परिचय पत्र हो सकता है।

अब, पॉल विशेष रूप से वहाँ गया जहाँ वह विशिष्ट रूप से सुसज्जित था। कभी-कभी मुझे संघर्ष करना पड़ा क्योंकि मुझे सड़क पर एक-एक करके लोगों की सेवा करना पसंद था, लेकिन भगवान ने मुझे शैक्षणिक उपहार दिए और ऐसे स्थान थे जहाँ मैं उन उपहारों के कारण जा सकता था जहाँ कुछ अन्य लोग नहीं जा सकते थे। और इसलिए, मुझे एहसास हुआ, ठीक है, जितना मुझे अन्य चीजें करना पसंद है, मुझे वहाँ जाने की जरूरत है जहाँ मैं विशिष्ट रूप से सुसज्जित हूँ।

पॉल विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में गये। अन्ताकिया, जहाँ वह अधिनियम 13 की शुरुआत में और अधिनियम अध्याय 11 के अंत में सेवा कर रहा था, पॉल इसके लिए विशिष्ट रूप से सुसज्जित था। कुछ स्थानों के लिए वह विशिष्ट रूप से सुसज्जित है, लेकिन पॉल शिक्षित था।

वह एक रोमन नागरिक था। ऐसी जगहें थीं जहाँ वह विशेष तरीके से सेवा कर सकता था, जैसे रोम, क्योंकि वह एक रोमन नागरिक था, जहाँ कुछ अन्य लोगों को इतनी आसानी से सुनवाई नहीं मिलती थी। या यहाँ तक कि कोरिंथ या फिलिप्पी में भी जो रोमन उपनिवेश थे, या यहाँ तक कि पिसिडियन एंटीओक एक रोमन उपनिवेश था।

ये वे स्थान थे जहाँ पॉल की विशेष पैठ थी। इफिसुस ने उनकी शिक्षा और उनके अनुभव के कारण उन्हें एक अलग तरह की विशेष पैठ दी। पॉल को इसका कुछ एहसास तब हुआ होगा जब फिलिप्पी में उसे पीटे जाने के बाद फिलिप्पी के जेलर ने कहा होगा, आप जानते हैं, एक बार जब उसे पता चल जाएगा कि वे रोमन नागरिक हैं, तो आप जानते हैं, यहाँ वास्तव में उनका सम्मान किया जाता है।

वे वास्तव में यहाँ इसे गंभीरता से लेते हैं। वे वास्तव में इस कानून को गंभीरता से लेते हैं कि आपको यहाँ रोमन नागरिकों को पीटने की अनुमति नहीं है। पॉल और सीलास का रोमन नागरिक होना उन अन्य स्थानों पर एक बड़ा मुद्दा बन गया जहाँ वे जाते थे।

और एक कारण शायद पॉल कोरिंथ में 18 महीने बिताता है। निःसंदेह, मुझे जो सोचना पसंद है, वह पहली बात ईश्वर का नेतृत्व है। लेकिन एक और मुद्दा जिसके बारे में मैं सोचना चाहता हूँ वह यह है कि अगर मैं ऐसा नहीं करूँगा तो सुसमाचार का प्रचार कहां नहीं होगा? अगर मेरे पास कोई अन्य विशिष्ट मार्गदर्शन नहीं है, अगर मुझे दो चीजों के बीच चयन करना है जो मेरे लिए खुले हैं, तो मैं वह करना चाहता हूँ जो अगर मैं नहीं करूँगा तो वह पूरा नहीं होगा।

कोई और भी यहाँ जा सकता है. उनका मंत्रालय बड़ा हो सकता है. उनकी सेवकाई के लिए परमेश्वर की स्तुति करो।

लेकिन अगर हम दोनों यहाँ जाते हैं और मंत्रालय का बंटवारा कर देते हैं और यह पूरा नहीं होता है, तो यह अच्छा नहीं है। इसलिए, यदि यह महत्वपूर्ण है, तो यह ध्यान में रखने योग्य कारकों में से एक है। ध्यान में रखने योग्य एक अन्य कारक लोकप्रिय संस्कृति के प्रसार के लिए केंद्र हैं।

अन्ताकिया बहुसांस्कृतिक था। उनके पास वहाँ एक बहुसांस्कृतिक नेतृत्व टीम थी क्योंकि वह बहुसांस्कृतिक थी। और यह बात अक्सर शहरों और इन बहुसांस्कृतिक क्षेत्रों से फैलती है।

पॉल इफिसस में ऐसा करने में सक्षम है। यह कहता है कि जब वह प्रेरितों के काम अध्याय 19 श्लोक 10:17 और 20 में इफिसस में था, तब प्रभु का वचन वहां से रोमन एशिया के पूरे प्रांत में फैल गया, इफिसस रोमन एशिया का सबसे प्रमुख शहर था। लोग हर समय इफिसस से आते-जाते रहते थे।

यदि आप वहां लोगों तक पहुंचे, तो आप अन्य लोगों के समूहों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों तक पहुंच रहे होंगे और यह तेजी से फैलेगा। आप मेरे देश में सोच सकते हैं, आप उन परिसरों के बारे में सोच सकते हैं जहां एक पीढ़ी का टर्नओवर अक्सर चार साल के बराबर होता है। कुछ लोगों को अधिक समय लगता है, लेकिन चार साल।

आप अंतरराष्ट्रीय छात्रों के बारे में सोच सकते हैं, जिनमें से कुछ खुशखबरी को अपने साथ वापस ले जाने में सक्षम होंगे, जैसे अफ्रीकी अदालत के अधिकारी इसे अपने साथ वापस ले जाने में सक्षम थे। आपके संदर्भ में, यह अलग हो सकता है, लेकिन आप जहां भी हों, बहुसांस्कृतिक स्थान, ऐसे स्थान जहां आप उन लोगों के समूहों तक पहुंच सकते हैं जो वहां पहुंच सकते हैं, आपको 500 मील या 700 मील की यात्रा करने या पूरे समूह की यात्रा करने की कोशिश करने की आवश्यकता नहीं हो सकती है अलग - अलग जगहें। हो सकता है भगवान ने लोगों को आपके पास लाया हो।

और अन्ताकिया एक ऐसी ही जगह थी और पॉल वहां के लोगों तक पहुंचने के लिए तैयार था। साम्राज्य के भीतर पॉल का लक्ष्य रोम था। आपने यह कहावत तो सुनी होगी कि सभी सड़कें रोम तक जाती हैं।

खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि रोम ने सड़कें बनाईं, लेकिन यह सच था। लोग आ-जा रहे थे। पॉल, रोम जाने से पहले, रोमियों 16 से पता चलता है कि वह रोम के बहुत से लोगों को जानता था।

क्यों? क्योंकि रोम से हर समय लोगों का आना-जाना लगा रहता था। यदि आप साम्राज्य के हृदय में पहुँच गये, रोम पहुँच गये, तो वहाँ से सन्देश बहुत अच्छे से प्रसारित हो जायेगा। आज, खैर, शायद इंटरनेट इसका एक उदाहरण है।

ऐसा कुछ होना अच्छा है जो सामूहिक रूप से उन्मुख हो ताकि आप लोगों को शिष्य बना सकें, लेकिन इंटरनेट एक ऐसी जगह है जहां बहुत सारे लोग बौद्धिक रूप से एकत्र होते हैं। शायद किसी दिन पावर ग्रिड बंद हो जाएगा और यह सच नहीं होगा, लेकिन अभी यह एक ऐसी जगह है जहां हमारे पास बहुत सारे अवसर हैं। बस यह सुनिश्चित करें कि आप जानते हैं कि आप क्या कर रहे हैं।

कुछ ईसाई हैं जो इंटरनेट पर कुछ बातें कहते हैं। मुझे यह कैसे कहना चाहिए? मैं अपने धर्म परिवर्तन से पहले नास्तिक था, और इसलिए मुझे नास्तिक पसंद हैं। मुझे नास्तिकों के बारे में कुछ समझ है, लेकिन कुछ नए नास्तिक इंटरनेट पर सिर्फ बकवास फैला रहे हैं।

उन्हें ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है कि वे किस बारे में बात कर रहे हैं। वे इंटरनेट से अन्य चीजें उठा रहे हैं। कभी-कभी वे उन बुद्धिजीवियों से चीजें ले रहे हैं जो एक क्षेत्र में बुद्धिजीवी हैं, लेकिन उन्हें दर्शनशास्त्र या उन मामलों का थोड़ा सा भी ज्ञान नहीं है जिनमें वे प्रचुर मात्रा में काम कर रहे हैं।

लेकिन कभी-कभी ऐसे ईसाई भी होते हैं जो बिल्कुल यही काम करते हैं, और यह शर्मिंदगी की बात है। मैं कुछ नास्तिकों को जानता हूँ जो इंटरनेट पर कुछ नए नास्तिकों के कारण शर्मिंदा हैं, और मैं हममें से कुछ ईसाइयों को जानता हूँ जो इंटरनेट पर कुछ ईसाइयों द्वारा की जाने वाली कुछ चीजों से शर्मिंदा हैं। जब आप किसी चीज़ के बारे में बात करें तो कृपया सूचित रहें, लेकिन सबसे बढ़कर, आप जो भी करें, उसे प्यार से करें क्योंकि हमें अपने पड़ोसी से प्यार करने के लिए बुलाया गया है, चाहे कुछ भी हो।

पहुंच, लॉजिस्टिक्स के संदर्भ में। खैर, हमारे पास बहुत सारी सामग्री है जिससे हम लॉजिस्टिक्स और कृत्यों के बारे में सीख सकते हैं, हालांकि इसमें से कुछ मुख्य रूप से उस संस्कृति के लिए है, लेकिन यह हमें अपनी संस्कृतियों के लिए प्रासंगिक होने के बारे में मॉडल देता है। उदाहरण के लिए, वे घरों में मिले।

उनके पास आमतौर पर सार्वजनिक भवन उपलब्ध नहीं थे। वे यरूशलेम के मंदिर में मिल सकते हैं, लेकिन आप साइप्रस में एफ़्रोडाइट के मंदिर या इफिसस में आर्टेमिस के मंदिर या इफिसस के पास या पार्थेनन, एथेंस में एथेना के मंदिर में नहीं मिलेंगे। इसलिए, लोग मिल रहे थे, खासकर घरों में।

वह एक लॉजिस्टिक मुद्दा था। पहली तीन शताब्दियों तक यही उपलब्ध था। मुख्यतः यहीं पर चर्च की बैठक हुई।

ऐसा नहीं था कि वे कहीं और मिलने के खिलाफ़ थे। मेरा मतलब है, पॉल आराधनालयों में बोलते थे और जब उनके पास बड़े घर उपलब्ध होते थे तो वे बड़े घरों का उपयोग करते थे। और यरूशलेम में, उनकी घरेलू बैठकें हुईं और उनकी बड़ी बैठकें हुईं।

लेकिन घर आर्थिक रूप से व्यवहार्य हैं। अगर जुल्म हो तो घर भी आसान हो जाते हैं। अगर लोगों को आस-पड़ोस तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ता है तो घर उनके करीब होते हैं।

बेशक, उस समय उनके पास कारें नहीं थीं, लेकिन उनके पास जो कुछ था उसका वे उपयोग करते थे और जो उनके पास था वह प्रभावी था। वास्तव में, घरों में, उनके पास वास्तव में ऐसे तरीके थे जिनसे वे लोगों को अधिक घनिष्ठ तरीके से शिष्य बना सकते थे। टीम मंत्रालय एक अन्य कारक था।

प्रेरितों के काम अध्याय 13 और अन्यत्र, आप देखते हैं कि प्रेरितों के काम अध्याय 13 के पहले दो छंदों में आपके पास टीम नेतृत्व है और बरनबास और शाऊल को एक मिशन टीम के रूप में भेजा जाता है और वे मार्क को अपने साथ ले जाते हैं। बाद में, जब पॉल सीलास के साथ जाता है, तो वह टिमोथी को अपने साथ जाने के लिए भर्ती करता है, और फिर ल्यूक भी उनके साथ शामिल हो जाता है। बाद में प्रेरितों के काम अध्याय 20 में, पॉल के पास बहुत सारे लोग हैं जिनका

वह मार्गदर्शन कर रहा है, विभिन्न शहरों के प्रतिनिधि उसके साथ यरूशलेम में भेंट ले जाने के लिए आ रहे हैं।

हालाँकि ल्यूक ने भेंट का उतना उल्लेख नहीं किया है, केवल एक बार। लेकिन किसी भी मामले में, टीम मंत्रालय। अब, मैं एक अंतर्मुखी हूँ और मैं अक्सर अकेले ही बाहर जाता हूँ क्योंकि, ठीक है, एथेंस में पॉल की तरह, अगर आपके साथ कोई नहीं है, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सुसमाचार साझा नहीं करना चाहिए।

लेकिन जानबूझकर, किसी के साथ बाहर जाना आमतौर पर बेहतर होता है। मुझे उन स्थानों पर अकेले जाने के कारण संभवतः आवश्यकता से अधिक बार पीटा गया है जो कभी-कभी खतरनाक होते थे। लेकिन चर्च के विकास में एक और तार्किक मुद्दा जो हम देखते हैं वह है उनकी नेतृत्व संरचना।

उनके पास बुजुर्ग या पर्यवेक्षक थे। अब, इन नेतृत्व संरचनाओं को बड़ी संस्कृति से उधार लिया गया था। प्राचीन इज़राइल में बुजुर्ग थे जो स्थानीय गाँव के मामलों का मार्गदर्शन करते थे और बुजुर्ग सभास्थलों की देखरेख करते थे।

शीर्षक ओवरसियर का उपयोग कुछ ग्रीक नेतृत्व सेटिंग्स में किया गया था और इसके हिब्रू समकक्ष, माबाचार का भी उपयोग किया जाता है, अगर मैं इसे सही उच्चारण कर रहा हूँ, तो कुमरान समुदाय के ओवरसियरों के लिए मृत सागर स्क्रॉल में उपयोग किया जाता है। कभी-कभी संस्कृति में पहले से ही कुछ उपलब्ध होता है। यह बिल्कुल अलग होना जरूरी नहीं है।

यदि यह काम करता है, तो आप इसे अनुकूलित कर सकते हैं, बशर्ते इसमें कुछ भी गलत न हो। और उन्होंने संस्कृति के भीतर कुछ नेतृत्व संरचनाओं पर कब्ज़ा कर लिया। पॉल चाहता था कि इसे स्थिरता देने के लिए स्थानीय मंडलियों में नेता हों।

इसलिए, प्रेरितों के काम 14:23 में, जब वे इन चर्चों के माध्यम से वापस जाते हैं, तो उन्होंने अभी-अभी इन चर्चों को शुरू किया है। ऐसा नहीं है कि ये बुजुर्ग अनुभवी ईसाई हैं, लेकिन वे सबसे अच्छे हैं। और इसलिए, उन्होंने चीजों की निगरानी में मदद के लिए फिलहाल उन्हें प्रभारी बना दिया।

आपके पास जो है उससे काम चलाना होगा। इसी तरह, एक और तार्किक मुद्दा, चौथा जिसका मैं उल्लेख कर रहा हूँ, वह यह है कि भगवान जो कर रहे थे उस पर वे भरोसा करने को तैयार थे। इसीलिए वे प्रतिनिधि बन सकते हैं।

यही कारण है कि बारह लोग निर्गमन 18 और व्यवस्थाविवरण 34 में मूसा के उदाहरण का अनुसरण करते हुए, 70 बुजुर्गों को या यहोशू को सौंपते हुए, यहोशू पर हाथ रखते हुए, प्रेरितों के काम अध्याय छह में सात को सौंपने के लिए तैयार थे। और फिर आत्मा उस पर वैसे ही आई जैसे आप प्रेरितों के काम अध्याय छह में सात के साथ आई थी। प्रत्यायोजित करने का अर्थ है कि हम उस पर भरोसा करते हैं जो ईश्वर कर रहा है।



अब हम नए नियम में कहीं और से जानते हैं कि कभी-कभी यह बुरी तरह से काम करता है। आप यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश करते हैं कि आप केवल उन्हीं लोगों को काम सौंपें जो बहुत ज़िम्मेदार हैं। और उन्होंने अधिनियम छह में ऐसा किया, लेकिन कभी-कभी लोग बदल जाते हैं या कुछ भी, लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं।

पॉल ने अधिनियम 14.23 में फिर से नेताओं को स्थापित किया। बाद में देहाती पत्रों में, जब कहा गया है, किसी पर अचानक हाथ रखो, किसी पर भी जल्दी हाथ मत रखो। खैर, यह एक जोर है। यह वह जगह है जहां कम से कम 10 वर्षों से उनके विश्वासी बने हुए हैं।

इसलिए, उनके पास काम करने के लिए और भी बहुत कुछ है। लेकिन कभी-कभी आपको जो कुछ मिला है उसके साथ काम करना पड़ता है और जितना हो सके उसमें मदद करनी पड़ती है। आप जैसे भी संभव हो इसका पालन-पोषण करें, लेकिन पॉल को शहरों से बाहर खदेड़ा जाता रहा।

तो, वह वही कर रहा है जो वह कर सकता है। भगवान जो कर रहा है उस पर भरोसा करना। इसके अलावा, आप इसे प्रेरितों के काम अध्याय आठ में देखते हैं, आत्मा का सशक्तिकरण।

खैर, प्रेरितों के काम की पुस्तक में आत्मा के सशक्तिकरण के बारे में क्या कहा गया है? अधिनियम अध्याय एक की आयत आठ में, आत्मा तुम पर आएगी और तुम गवाह होगे। आत्मा का सशक्तिकरण साक्षी के लिए था। और यह सभी विश्वासियों पर आता है।

प्रेरितों के काम अध्याय दो में, वह 2:39 में अपने उपदेश के अंत में कहता है, यह वादा आपके लिए और आपके बच्चों के लिए और उन सभी के लिए है जो दूर हैं। लेकिन आप प्रेरितों के काम अध्याय आठ पर आते हैं। अब, यहूदी लोगों को उम्मीद थी कि इसराइल की बहाली होगी, कि ईश्वर अपने लोगों पर अपनी आत्मा उंडेलेंगे।

उन्हें यह आशा नहीं थी कि सामरियों पर आत्मा उंडेली जाएगी। लेकिन जब सामरियों को यीशु के बारे में संदेश मिला, तो यरूशलेमवासियों ने कहा, ठीक है, हमें इसकी जाँच करने की आवश्यकता है। फिलिप अधिक द्विसांस्कृतिक था।

वह आगे बढ़ चुका था और उसे वैसे भी यरूशलेम छोड़ना ही था। और पतरस और यूहन्ना वहां गए और उन्होंने देखा कि यह परमेश्वर है। और उन्होंने सामरियों पर हाथ रखे ताकि सामरी आत्मा प्राप्त कर सकें।

खैर, इसका क्या मतलब है? याद रखें कि आत्मा हमें किस लिए दी गई है। निःसंदेह, परमेश्वर हमें एक से अधिक कारणों से आत्मा देता है। लेकिन अधिनियमों में, मुख्य फोकस यह है कि हम गवाह बनने की भावना से सशक्त हैं।

सामरी अब केवल मिशन की वस्तु नहीं थे। सामरी लोग मिशन में भागीदार बने। और कभी-कभी अतीत में, हमारे पास ऐसे मिशनरी होते थे जो स्थानों पर जाते थे, वे चर्च शुरू करते थे और फिर वे सौ वर्षों तक चर्च चलाते थे।

लेकिन यह वह मॉडल नहीं था जो हमारे पास अधिनियमों की पुस्तक में है। किसी स्थान पर जाना और चर्च शुरू करना बहुत अच्छा है। लेकिन एक बार जब आपके विश्वासी परिपक्वता के किसी भी स्तर पर आ जाते हैं, तो वे भागीदार बन जाते हैं।

अब आपके पास ऐसे साझेदार हो सकते हैं जो अधिक अनुभवी हैं और उम्मीद है कि लोग उन साझेदारों को देखेंगे जो अधिक अनुभवी हैं। जाहिर है, लोग कई मामलों में नेतृत्व के लिए जेरूसलम चर्च की ओर देखते थे। लेकिन हमें यह भी पहचानने की ज़रूरत है कि ईश्वर अपने सभी लोगों को आत्मा देता है।

हम सब भाई-बहन हो गये. और हां, लोग गड़बड़ करते हैं, लेकिन हमें अपने भाइयों और बहनों में आत्मा के काम पर भरोसा करने और विभिन्न सांस्कृतिक दृष्टिकोण वाले लोगों की बात सुनने के लिए तैयार रहने की ज़रूरत है। वे अपनी संस्कृति तक पहुँचने के लिए आदर्श व्यक्ति हो सकते हैं।

लेकिन निश्चित रूप से, हम उन लोगों को सुनना चाहते हैं जिनके पास विशेष अनुभव हैं। यही हम एक दूसरे से सीख सकते हैं। रसद आगे, पांचवां बिंदु, आर्थिक संसाधनों वाले लोग।

अब, यदि आप मैथ्यू पर मेरे पाठ्यक्रम में थे, तो आपने मुझे यीशु ने संपत्ति के बारे में बहुत कुछ कहते हुए सुना होगा। और ल्यूक उस पर और भी मजबूत है, गरीबों के साथ संपत्ति साझा करने के बारे में। हम अधिनियम अध्याय दो में इसके बारे में अधिक बात करेंगे।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम उन लोगों को उड़ा दें जिनके पास आर्थिक संसाधन हैं। हम सभी को लाने के लिए अलग-अलग उपहार दिए जाते हैं और आर्थिक संसाधनों वाले लोगों के पास लाने के लिए एक उपहार होता है। आप देखते हैं कि ल्यूक अध्याय आठ की तीसरी पंक्ति में, शिष्यों के साथ यात्रा कर रही महिलाएँ थीं, यीशु के साथ यात्रा कर रही थीं और शिष्य अपने स्वयं के संसाधनों से उनकी सेवा कर रहे थे।

ये काफी संपन्न महिलाएँ थीं और वे मिशन को पूरा करने में मदद कर रही थीं। इससे कोई भी अमीर नहीं बन रहा था। कोई भी धन से नहीं रह रहा था, लेकिन उनके पास खाने के लिए भोजन था।

प्रेरितों के काम अध्याय 18, पद सात, जब मैसेडोनिया के चर्च से एक उपहार प्राप्त होता है, तो पॉल उसके लिए आभारी होता है और वह शब्द के मंत्रालय के लिए अपने समय के संदर्भ में खुद को पूरी तरह से समर्पित करने में सक्षम होता है। हमारे पास शिक्षण संसाधन वाले लोग भी हैं। हम इसे क्रिस्पस के साथ देखते हैं, जो 1808 में आराधनालय का शासक था।

उसका उल्लेख करना उल्लेखनीय है। वह आस्तिक बन जाता है. खैर, उसके पास पहले से ही कुछ पृष्ठभूमि है।

वह पहले से ही कुछ चीजें जानता है जो मददगार हो सकती हैं। अब इसका मतलब यह नहीं है कि वह प्रभु में उतना परिपक्व है, शायद किसी और के जितना, लेकिन इस समय कोरिंथ में अधिकांश लोग नए विश्वासी थे। पॉल और शायद अक्विला और प्रिसिला को छोड़कर सभी।

लेकिन अपुल्लोस, वह बिल्कुल नया विश्वासी है। उसे कुछ चीजें समझानी पड़ती हैं, कुछ चीजें जो वह नहीं समझता है, लेकिन वह टोरा में इतना सक्षम है कि एक बार जब वह इसे समझ लेता है, तो वह अपने प्रभाव के दायरे में और उन सर्किलों के भीतर वाक्पटुता से बोलने में सक्षम होता है जो उस तरह की बात सुनते हैं। वे तर्क जो वह देने में सक्षम थे। तो ऐसे लोग हैं जिनके पास शिक्षण संसाधन हैं, ऐसे लोग हैं जिनके पास ऐसी पृष्ठभूमि है जो उन्हें विशेष तरीकों से सुसज्जित करती है।

चाहे आपकी पृष्ठभूमि मछुआरे, मछुआरे के रूप में हो, आप लोगों के मछुआरे बन सकते हैं। यदि आपकी पृष्ठभूमि चरवाहे की है, तो आप लोगों का चरवाहा बन सकते हैं, जैसा कि मूसा और डेविड या मछुआरे शिष्यों के मामले में हुआ था। भगवान, हमेशा नहीं, कुछ चीजें हमें अपने पीछे छोड़नी ही पड़ती हैं, लेकिन भगवान अक्सर हमारी पृष्ठभूमि से चीजों को ऐसे तरीकों से ले लेंगे जिनकी हमने कल्पना भी नहीं की होगी और उन्हें अच्छे के लिए उपयोग करेंगे।

फिर हमारी पृष्ठभूमि में कुछ भयानक चीजें हैं, जैसा कि आप जानते हैं, हमें सांत्वना देने की आवश्यकता है, लेकिन हम पा सकते हैं कि अन्य लोगों को उस सांत्वना के माध्यम से सांत्वना दी जा सकती है जो हम उन चीजों के साथ प्रभु से प्राप्त करते हैं। इसलिए कुछ प्रकार के संसाधनों वाले लोगों को, आइए उन संसाधनों को नज़रअंदाज़ न करें जो मसीह के शरीर में हैं। लोगों के पास उपहार और कौशल हैं।

जब मैं पादरी था, मंडली में कोई था जो नाटक का प्रमुख था। और इसलिए, हमने मंडली में उसके कौशल का उपयोग किया। कोई ऐसा व्यक्ति था जो गिटार का विशेषज्ञ था जिसके कौशल का हम उपयोग कर सकते थे।

और वहां पहले से ही कई अलग-अलग कौशल मौजूद थे और अन्य लोग भी कौशल विकसित करना चाहते थे। एक और बात जो मूल्यवान है, वह यह कि अपने घरेलू आधार या अपने समर्थकों को रिपोर्ट करना महत्वपूर्ण है। मेरा मतलब है, यदि आप घरेलू आधार पर हैं और आप अपने आसपास के लोगों की सेवा कर रहे हैं तो यह एक बात है, लेकिन यदि कोई व्यक्ति अंतर-सांस्कृतिक स्थिति में चला जाता है, चाहे वह किसी अन्य देश में हो या उसी देश के भीतर किसी अन्य प्रकार की स्थिति में हो, लोगों के अन्य समूहों तक पहुंचना या देश के कम प्रचारित हिस्से में स्थानांतरित होना, घरेलू आधार पर वापस रिपोर्ट करना महत्वपूर्ण है, जो लोग सहायता प्रदान कर रहे हैं, चाहे वह वित्तीय सहायता हो या प्रार्थना सहायता।

मेरी वर्तमान स्थिति के कारण, मुझे वित्तीय सहायता की आवश्यकता नहीं है। मुझे इसकी जरूरत नहीं पड़ी। मुझे वित्तीय सहायता की आवश्यकता नहीं है।

प्रभु ने इसे अतीत में अलग-अलग तरीकों से प्रदान किया था, लेकिन केवल दो बार मुझे लगा कि मैंने किसी उद्देश्य के लिए धन जुटाने की कोशिश की है और मेरे पास धन जुटाने का उपहार नहीं

है। किसी भी मामले में यह बहुत अच्छा काम नहीं कर सका। लेकिन मुझे प्रार्थना समर्थन की आवश्यकता है।

मैं अपने लिए प्रार्थना करने के लिए लोगों को भर्ती करता हूँ। और मेरे पास प्रार्थना समर्थकों की एक करीबी टीम है, लगभग 20 लोग। यह बस उन लोगों की संख्या है जो मेरे पास या करीबी हैं जो ऐसा करते हैं।

यह एक अलग संख्या हो सकती है, लेकिन मैं उन्हें नियमित रूप से प्रार्थना अपडेट भेजता हूँ। खैर, किसी भी मामले में, एक और तर्कसंगत मुद्दा, कानूनी माफी या प्रचार माफी। कभी-कभी लोग वास्तव में ईसाइयों को गलत तरीके से पेश करते हैं और वे वास्तव में यीशु को गलत तरीके से पेश करते हैं और वे सुसमाचार के बारे में भी गलत बयानी करते हैं।

खैर, अधिनियम 24 से 26 किस बारे में है? पॉल पर झूठा आरोप लगाया गया है और आपके पास माफी मांगने का यह पूरा लंबा खंड है। इससे हमें पता चलता है कि क्षमा मांगना एक महत्वपूर्ण कार्य है। और यदि हम ल्यूक के उदाहरण का अनुसरण करें तो हमें भी चिंता होगी।

मेरा मतलब है, आप हर अफवाह का खंडन नहीं कर सकते। आप हर किसी के संदेह को संतुष्ट नहीं कर सकते। पॉल इस बारे में बात करता है कि वह कैसे बदनामी का पात्र था।

कुछ लोग उनका आदर करते थे। कुछ लोगों ने उनका अनादर किया। उसे दोनों के साथ रहना था।

लेकिन कानूनी क्षमाप्रार्थी, प्रचार क्षमाप्रार्थी, जहां तक संभव हो, लोगों को सच्चाई से अवगत कराएं। यदि प्रारंभिक चर्च में ये झूठे आरोप हैं, तो उन्होंने कहा कि ईसाई अनाचार और नरभक्षण के दोषी थे क्योंकि यह संभवतः है, विशेष रूप से दूसरी शताब्दी में, उन्होंने कहा कि ईसाई कहते हैं, मैं तुमसे प्यार करता हूँ, भाई। मैं तुम्हारी बहन से प्यार से प्यार करता हूँ।

आह, अनाचार. या ईसाई कहते हैं कि वे भगवान का शरीर और खून खाते हैं। आह, नरभक्षण.

खैर, यह मददगार था कि भगवान ने क्षमाप्रार्थियों को यह कहने के लिए खड़ा किया, नहीं, आप इसे पूरी तरह से गलत समझ रहे हैं। और इन अफवाहों ने सच्चाई को पूरी तरह से तोड़-मरोड़ कर रख दिया है. ठीक है, आप हर किसी को समझाने नहीं जा रहे हैं, लेकिन लोगों को सच्चाई से अवगत कराना महत्वपूर्ण है ताकि कम से कम कुछ लोगों को आश्वस्त किया जा सके।

खैर, लॉजिस्टिक्स से जुड़ा एक और मुद्दा, भोले मत बनो। दिक्कतें आएंगी. आप इसे अधिनियमों की पुस्तक में, उत्पीड़न, आंतरिक विभाजन, इत्यादि देखते हैं।

तो, अन्य सभी लॉजिस्टिक्स बहुत अच्छे हैं, लेकिन देर-सबेर आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। और मेरे कार्टूनों को क्षमा करें. यह एक ऐसी चीज़ है जिसका उपयोग मैं कभी-कभी पढ़ाते समय करता हूँ।

तो, इसके साथ, हम अधिनियम अध्याय एक में जाने के लिए तैयार हो रहे हैं। मैं अधिनियम अध्याय एक पर कुछ परिचयात्मक पृष्ठभूमि देना चाहता हूँ क्योंकि मैं अधिनियम एक और दो के विषय को एक साथ समझना चाहता हूँ। और वह अगला भाग होगा।

लेकिन पहले मैं प्रेरितों के काम अध्याय एक पर कुछ परिचयात्मक पृष्ठभूमि बता दूँ। पुनर्पूजाकरण होना आम बात है। जब आपके पास दो-खंड का काम या बहु-खंड का काम होता है, तो बाद का खंड पिछले खंड के अंत को दोहरा सकता है।

और ल्यूक 24 के साथ आपके पास यही है। इसमें से अधिकांश को अधिनियम अध्याय एक की शुरुआत में सारांश, संक्षिप्त तरीके से दोहराया गया है। और यह वहाँ के कुछ बिंदुओं को अधिक विस्तार से दोहराता है, वे बिंदु जिन पर ल्यूक विशेष रूप से जोर देना चाहता है।

याद रखें, इतिहासकारों को चीजों को पुनर्व्यवस्थित करने की आज़ादी थी। उन्हें अपनी बात कहने की आज़ादी थी। शब्दों में अंतर, ठीक है, कभी-कभी यह एक आकस्मिक भूल थी, लेकिन आम तौर पर, यह एक आकस्मिक चूक नहीं होती है, निश्चित रूप से ल्यूक-एक्ट्स के रूप में अच्छी तरह से डिज़ाइन की गई किसी चीज़ में नहीं।

अधिनियमों के अध्याय एक में चीजों को थोड़े अलग तरीके से कहा गया है, लेकिन यह वही आवश्यक संदेश संप्रेषित करता है। अधिनियमों के अध्याय एक का पहला पद थियोफिलस को समर्पित है। यह वास्तव में ल्यूक अध्याय एक, पद तीन, पहले खंड में स्पष्ट है।

लेकिन दूसरे खंड में, वह संभवतः इसे एक प्रायोजक को समर्पित कर रहे हैं। थियोफिलस उसका प्रायोजक हो सकता है, वह पुस्तक के वितरण का समर्थन कर रहा है। या कभी-कभी यह बस किसी प्रमुख व्यक्ति को समर्पित होगा जिसका ध्यान आप आकर्षित करना चाहते हैं।

तो, वह व्यक्ति काम को प्रसारित करेगा और हो सकता है कि कुछ प्रतियों के निर्माण को प्रायोजित करे या ऐसा ही कुछ। लेकिन इस मामले में, स्पष्ट रूप से, थियोफिलस वह व्यक्ति है जिसे ल्यूक जानता है। और वह जानता है, कि थियोफिलस भी विश्वासी है, परन्तु वह अति उत्तम थियोफिलस है।

जाहिर तौर पर उनकी सामाजिक स्थिति बहुत ऊँची थी, जो रोमन दुनिया की नज़र में बहुत महत्वपूर्ण बात थी। और ईसाइयों को जाति और वर्ग के मतभेदों पर काबू पाने में सक्षम होना चाहिए था, लेकिन वे तब भी सराहना कर सकते थे जब कोई कम पहुंच वाला, लेकिन उच्च सामाजिक वर्ग का हो, जिससे हम अधिक लोगों का ध्यान आकर्षित कर सकें और चीजों को प्रसारित करने में सक्षम हो सकें। अधिनियमों के अध्याय एक, श्लोक दो और तीन में नमूना साक्ष्य हैं।

यह यीशु द्वारा अपने पुनरुत्थान का प्रमाण प्रस्तुत करने के बारे में बात करता है। कुछ नमूना साक्ष्य ल्यूक के अध्याय 24 में सूचीबद्ध हैं जहाँ वह खुद को शिष्यों के सामने जीवित प्रस्तुत करता है, चाहता है कि वे उसे छुएं, उनके सामने खाना खाता है, इत्यादि। इसीलिए अधिनियम एक के श्लोक चार में कहा गया है कि उन्होंने एक साथ खाना खाया।

वह महत्वपूर्ण क्यों है? क्योंकि कई यहूदी परंपराओं में, एक देवदूत वास्तव में मानव भोजन नहीं खा सकता था। तो, यह उसकी भौतिकता, पुनरुत्थान की भौतिकता पर जोर दे रहा है। प्रेरितों के काम अध्याय एक पद 12 से 14 में प्रार्थना सभा की कुछ पृष्ठभूमि।

खैर, यह पुनरुत्थान और पिन्तेकुस्त के बीच लगभग एक सप्ताह से 10 दिन का समय है। मुझे खेद है कि पेंटेकोस्ट, पुनरुत्थान और पेंटेकोस्ट के बीच नहीं, यीशु के स्वर्गारोहण और पेंटेकोस्ट के बीच था। पुनरुत्थान के लगभग 50 दिन बाद की बात है।

इसलिए, एक सप्ताह से 10 दिनों तक वे एक साथ प्रार्थना कर रहे हैं और भगवान जो कुछ भी करने जा रहे हैं उसका इंतजार कर रहे हैं। उन्हें नहीं पता था कि इसमें कितना समय लगेगा। श्लोक 12 में, यह माउंट ओलिवेट या जैतून पर्वत के बारे में बात करता है, जो सुसमाचार में भी दिखाई देता है।

यही वह स्थान है जहाँ यीशु आरोहण करते हैं। लेकिन जकर्याह 14.4 के अनुसार, वह मसीहा के अपेक्षित आगमन का स्थान भी था। इसलिए, जब यह कहता है, तो आप उसे उसी तरह दोबारा आते हुए देखेंगे जिस तरह आपने उसे जाते हुए देखा है।

खैर, स्थान के संदर्भ में भी, यह सच हो सकता है। यह मंदिर से लगभग आधा मील पूर्व और कई सौ फीट ऊपर है। जैसा कि यहां बताया गया है, यह सब्ब के दिन की यात्रा के करीब है।

सब्ब के दिन की यात्रा लगभग 2000 हाथ की होती थी, एक हाथ लगभग किसी की कोहनी और उसकी सबसे लंबी उंगली के बीच की लंबाई होती थी। हालाँकि यह व्यक्ति दर व्यक्ति भिन्न होता है, लेकिन एक अनुमानित मानक है। अध्याय 1 और श्लोक 13 ऊपरी कमरे की बात करते हैं।

खैर, एक ऊपरी कमरे के संदर्भ में जिसमें बहुत से लोग रह सकते हैं, वह केवल ऊपरी शहर, यरूशलेम के समृद्ध हिस्से में ही हो सकता है। शहर का अधिकांश भाग नालों से बह रहा था, यरूशलेम का निचला शहर। लेकिन धनी लोगों के पास अधिक विशाल आवास थे।

अब, कई ऊपरी कमरे कुछ हद तक अटारियों की तरह थे, लेकिन कुछ ग्रंथ हैं, कुछ यहूदी ग्रंथ हैं जो सभी संतों को एक ऊपरी कमरे में एक साथ इकट्ठा होने की रिपोर्ट करते हैं। तो, कुछ घर ऐसे थे जिनमें बहुत विशाल ऊपरी कमरे हो सकते थे। 12, यह 12 की बात क्यों करता है? 12 इस्राएल के गोत्रों की संख्या थी।

मृत सागर स्कॉल हमें दिखाते हैं कि एक यहूदी नवीकरण आंदोलन इसका उपयोग तब कर सकता था जब वह 12 जनजातियों की बहाली के बारे में सोच रहा था। उनके पास 12 नेता होंगे जो इज़राइल में नेता होंगे जब भगवान अपने लोगों को बहाल करेंगे। यहां 12 के लिए, नाम हमेशा कुछ अन्य सूचियों के समान नहीं होते हैं।

विविधताएँ बड़ी नहीं हैं, लेकिन हमारे पास कुछ भिन्नताएँ हैं और कभी-कभी एक से अधिक नाम भी होते हैं, यहाँ तक कि व्यक्ति के लिए एक ही सूची में भी। खैर, लोगों के लिए कई पहचान वाले

नाम रखना बहुत आम बात थी, जिनमें से किसी एक या दोनों का उपयोग व्यक्ति के लिए किया जा सकता था। और यदि आपके पास साइमन जैसा बहुत सामान्य नाम है, तो आपको लगभग इसके साथ एक और नाम का उपयोग करना होगा, साइमन पीटर, साइमन द ज़ीलॉट, या कनानियन यदि आप ज़ीलॉट के लिए अरामी भाषा का उपयोग करना चाहते हैं।

यहूदा के साथ भी ऐसा ही है, यहूदा इस्कैरियट, हालांकि वह स्पष्ट रूप से यहां नहीं है, और शिष्यों के बीच एक और यहूदा या दो अलग-अलग जेम्स हैं। मेरा मतलब है, वे सभी बहुत सामान्य नाम थे, जैसे मैरी यहूदिया और गलील में सबसे आम महिला का नाम था। यह दिलचस्प है कि इन अनुच्छेदों में सबसे आम नाम वास्तव में उस स्थान और अवधि से सबसे आम नाम हैं जिनका वे वर्णन करते हैं, न कि साम्राज्य में कहीं और से आम नाम।

अधिनियम 1.14. व्यापक संस्कृति में, आमतौर पर, महिलाओं की भूमिकाओं को कम महत्व दिया जाता है, लेकिन यहां महिलाओं की समान भागीदारी उल्लेखनीय है। प्रार्थना की भाषा, कभी-कभी इसका उपयोग यहूदिया के बाहर प्रार्थना घर के लिए किया जाता था, लेकिन ल्यूक ने आमतौर पर इसके लिए आराधनालय का उपयोग किया। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि वे एक साथ प्रार्थना कर रहे थे।

और श्लोक 15 से 26 में, और मैं इस पृष्ठभूमि पर बहुत संक्षेप में चर्चा करूंगा, लेकिन एक धर्मत्यागी प्रेरित की जगह, उनके पास 120 थे। अब मृत सागर स्कॉल में, उनके पास नेताओं का एक समूह था जिसमें 12 विशेष अधिकारी शामिल थे। उन्हें यह दिखाना था कि वे इस्राएल के सच्चे अवशेष थे।

120 बिल्कुल 12 नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह उससे संबंधित है। अनिश्चित तारीख की यहूदी परंपराएँ थीं कि 120 बुजुर्ग थे जिन्होंने पहली बार एज्रा के समय में कानून पारित किया था। तो वे पहले से ही हैं, ठीक है, हम नहीं जानते कि क्या यह पहले से ही था, लेकिन एक अनिश्चित तारीख में, नेताओं की एक परंपरा थी, इज़राइल में 120 नेता।

इसके अलावा, मृत सागर स्कॉल में प्रत्येक 10 पुरुषों के लिए एक पुजारी की आवश्यकता होती है। तो, यदि आपके पास 120 हैं, तो ठीक है, यदि आपके पास 12 प्रेरित हैं तो यह समझ में आएगा। लेकिन 120 का उल्लेख करने में ल्यूक का अभिप्राय केवल यह हो सकता है कि ऊपरी कमरा बहुत खचाखच भरा हुआ था, कम से कम जब आप सभी एक साथ थे।

और हम नहीं जानते कि किसी भी मामले में हर कोई एक साथ वहां मौजूद था या नहीं। लेकिन श्लोक 20 में, पीटर एक सामान्य यहूदी व्याख्यात्मक तकनीक का उपयोग करता है जिसे यहूदी रब्बियों ने बाद में कोल वोमर कहा, और कितना अधिक? वह इसका उपयोग धर्मी लोगों की पीड़ा से निपटने के लिए करता है। यदि यह आम तौर पर एक धर्मी व्यक्ति के कष्ट सहने के बारे में सच था, तो यह यीशु के बारे में कितना अधिक सच होना चाहिए? भजन 69, श्लोक 25, और भजन 109, श्लोक 8, दोनों धर्मी लोगों के कष्टों के प्रमुख आरोपियों के बारे में बात करते हैं।

और फिर श्लोक 23 से 26 में, हमारे पास चिट्ठी डालने का समय है। लॉट का उपयोग अक्सर विशेष कर्तव्यों के लिए किया जाता था। आपके पास ग्रीक दुनिया और रोमन दुनिया में भी कई राजनीतिक कार्यालयों या कार्यों के लिए ऐसा है जहां राज्यपाल जाते थे।

आपके पास यह पुराने नियम में 1 इतिहास 24 और 25 इत्यादि में विशेष कर्तव्यों के लिए है। आपके पास यह मृत सागर स्कॉल में है। यह आपके पास रब्बियों में है।

आपने जोसेफस में इसका उल्लेख किया है, जहां वास्तव में उन्होंने यह देखने के लिए बहुत सारी चीजें निकालीं कि पहले कौन मारा जाएगा। जोसेफस किसी तरह अंत तक जीवित रहा। वह वही था जिसके पास लॉटरी थी।

लेकिन किसी भी मामले में, इसका उपयोग ग्रीक हलकों में अटकल के एक रूप के रूप में भी किया जाता था। लेकिन इसका प्रयोग ल्यूक-एक्ट्स में पहले भी एक बार किया जा चुका है। इसका उपयोग यहाँ अधिनियमों में आरंभ में किया गया है।

इसका उपयोग ल्यूक के सुसमाचार में आरंभ में किया गया है। ल्यूक के सुसमाचार में, इसका उपयोग अंदर जाने और धूप चढ़ाने के लिए एक पुजारी को चुनने के लिए किया जाता है। और वहाँ यह जकर्याह है।

खैर, स्पष्ट रूप से भगवान उस हिस्से का प्रभारी था। और मुझे लगता है कि हम यह मान सकते हैं कि हम भरोसा कर सकते हैं कि ईश्वर इस सब का भी प्रभारी है। खैर, ध्यान दें कि कुछ लोगों के दोहरे नाम होते हैं।

जोसेफ बार्सब्बास के मामले में, यह एक ट्रिपल नाम है जब वे इन दोनों में से किसी एक को चुनने की कोशिश कर रहे थे तो उन्होंने कहा, ठीक है, ये सभी योग्यताओं को पूरा करते हैं। आइए यह देखने के लिए बहुत से चुनें कि प्रभु इस पद पर किसे भरना चाहते हैं। तो दोहरे नाम, तीन नाम वास्तव में काफी सामान्य थे।

और विशेषकर तब जब जोसेफ जैसे विशेष नाम इतने सामान्य थे कि उनके लिए कुछ योग्यता की आवश्यकता होती थी। लेकिन अगले सत्र में, हम अधिनियमों के अध्याय एक और दो को देखेंगे और उसमें से एक विषय का पता लगाएंगे। और यही साक्षी के लिए शक्ति का विषय है।

यह एक्ट्स की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. क्रेग कीनर हैं। यह सत्र 6 है, इंजीलवाद और अधिनियमों का परिचय।